विश्वविद्यालय सामाजिक उत्तरदायित्व केन्द्र

जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय
बलिया

"विश्वविद्यालय मात्र शैक्षिक एवं अकादमिक गतिविधियों के केंद्र न रहकर सामुदायिक विकास के केंद्र भी बनें। विश्वविद्यालय संस्कारवान समाज के निर्माण के लिए सामाजिक कर्त्तव्यबोध का पाठ भी पढ़ाएँ।"

श्रीमती आनंदीबेन पटेल
कुलाधिपति एवं राज्यपाल,उ.प्र.

जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय
बलिया

जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय का दृष्टिकोण वृहद सामाजिक स्तर पर जनसमुदाय में मूल्य सृजन की भावना जागृत कर समाज की उन्नति हेतु समतामूलक समाज की स्थापना करना है। अपने इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए विश्वविद्यालय में स्थापित विश्वविद्यालय सामाजिक उत्तरदायित्व केन्द्र (Centre for University Social Responsibility), अपने हितधारकों का समावेशन कर उन्हें विकास की मुख्य धारा से जोड़ने हेतु प्रयासरत है। साथ ही यह केन्द्र हरित विकास, जलवायु परिवर्तन एवं पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी सकारात्मक प्रयास करेगा। विश्वविद्यालय पर्यावरण की सुरक्षा में मदद करने के अलावा युवाओं को बेहतर शिक्षा के साथ-साथ रोजगार बढ़ाने वाली व्यावसायिक शिक्षा प्रदान करेगा।

विकासात्मक गतिविधियों के लिए विश्वविद्यालय का केन्द्र बिंदु उन शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों पर होगा जहां जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय का कार्य क्षेत्र है। विश्वविद्यालय सामाजिक उत्तरदायित्व केंद्र यह सुनिश्चित करेगा कि सरकार द्वारा की जा रही गतिविधियों से सभी वर्ग के लोगों को लाभ मिल सके। साथ ही इस केंद्र का विशेष ध्यान उन समूहों पर होगा जो सामाजिक एवं आर्थिक रूप से समाज के सबसे निचले पायदान पर स्थित हैं। यह केन्द्र अन्त्योदय की संकल्पना पर आधारित है। इसमें महिलाओं, बच्चे, युवा वर्ग, कृषक, मजदूर तथा कमजोर वर्ग के लोग शामिल किये जायेंगे।

विजन

जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया, 'विश्वविद्यालय सामाजिक उत्तरदायित्व केन्द्र' द्वारा विश्वविद्यालय के प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष हितधारक समूहों के गुणवत्तापूर्ण जीवन को सुनिश्चित करते हुए, वंचित समूहों का समावेशन, सम्पोषणीय विकास, पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्द्धन, शिक्षा, स्वास्थ्य आदि क्षेत्रों के विकास की दिशा में प्रयास करेगा।

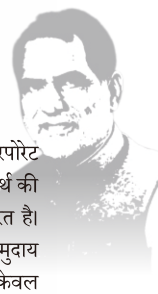

विश्वविद्यालय सामाजिक उत्तरदायित्व की अवधारणा

विश्वविद्यालय सामाजिक उत्तरदायित्व (USR) की अवधारणा, कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) की भावना का विस्तार है, जो ज्ञान और यथार्थ की खोज, नागरिक जागरूकता एवं समाज के दीर्घकालिक विकास पर आधारित है। यूएसआर शैक्षिक विकास को बढ़ाने, अनुसंधान और सामाजिक कार्यों द्वारा समुदाय के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यूएसआर न केवल सामाजिक गतिविधि है बल्कि यह सतत् विकास की एक ऐसी रणनीति भी है, जिसके तहत विश्वविद्यालय अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचने का प्रयास करेगा ताकि उन्हें सशक्त बनाया जा सके और आत्मनिर्भरता लाई जा सके। जिस प्रकार सीएसआर व्यावसायिक प्रथाओं को बढ़ावा देकर व्यवसाय और समाज को सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय रूप से सतत् विकास में मदद करते हैं ठीक उसी प्रकार यूएसआर प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रुप से शिक्षा, जागरूकता, संवेदनशीलता एवं कौशल विकास के माध्यम से अपने विद्यार्थियों एवं जनसमुदाय को सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय रूप से प्रगति के मार्ग पर अग्रसर होने में अपना योगदान देते हैं।

माननीय प्रधानमंत्री, भारत सरकार ने भी सीएसआर पर बहुत अधिक ध्यान केंद्रित किया है और विभिन्न उद्योगों की सीएसआर गतिविधियों को संबोधित करने के लिए कई सामाजिक और पर्यावरणीय अभियान शुरू किए हैं। 'स्वच्छ भारत मिशन' के अन्तर्गत देश भर में लाखों शौचालय बनाना इसका एक प्रमुख उदाहरण है।

विश्वविद्यालय सामाजिक उत्तरदायित्व की प्रासंगिकता

एक अवधारणा के रूप में 'सामाजिक जिम्मेदारी' उच्च शिक्षा में अपेक्षाकृत नई है, हालांकि यह लंबे समय से उच्च शिक्षा के मुख्य कार्यों का हिस्सा रही है। प्राचीन काल में उच्च शिक्षा संस्थान न केवल प्रसिद्ध शिक्षण संस्थान थे, बल्कि सामाजिक शोध संस्थान भी थे, क्योंकि शिक्षक न केवल ज्ञान के प्रसार में शामिल थे, बल्कि ज्ञान के अन्वेषण में भी सक्रिय भूमिका निभाते थे और उन्होंने समाज की उन्नति में भी बहुत बड़ा योगदान दिया था। नालंदा और तक्षशिला जैसे प्राचीन संस्थान शिक्षण के अलावा विज्ञान, चिकित्सा, खगोल विज्ञान, तर्क, दर्शन, गणित, व्याकरण आदि में अपने शोध योगदान और अपने शिक्षकों की सामाजिक-सांस्कृतिक सक्रियता के लिए जाने जाते हैं। इस प्रकार प्राचीन उच्च शिक्षा संस्थानों ने तीन कार्य किए है- शिक्षण, अनुसंधान और उनके माध्यम से सामाजिक उत्तरदायित्व का निर्वहन।

सामाजिक उत्तरदायित्व का मोटे तौर पर अर्थ है, विश्वविद्यालयों द्वारा सामाजिक चुनौतियों का खुलकर समाधान करना, छात्रों को उस समाज के प्रति उनकी जिम्मेदारियों के बारे में जागरूक करना, जिसमें वे रहते हैं, साथ ही समाज के कल्याण में अपना योगदान देना भी विश्वविद्यालयों का सामाजिक उत्तरदायित्व है। इसलिए विश्वविद्यालयों के एक महत्वपूर्ण कार्य के रूप में सामाजिक जिम्मेदारी को उजागर करने की आवश्यकता उत्पन्न होती है, जिसका उद्देश्य अनिवार्य रूप से छात्रों और शिक्षकों के बीच परोपकारिता, दयालुता, उदारता जैसे मूल्यों के प्रति संवेदनशील बनाना है।

मिशन

* विश्वविद्यालय के प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष हितधारकों के मध्य विचारों, संसाधनों, नीतियों, समरसता एवं समस्याओं के समाधान हेतु साझा मंच प्रदान करना।
* समाज के वंचित वर्गों का सामाजिक समावेशन करना।
* समुदाय में सम्पोषणीय विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में प्रयास करना।
* हितधारको को गुणवत्तापूर्ण जीवन शैली प्रदान करने में सहायता प्रदान करना।
* हितधारकों में सामाजिक समावेशन की भावना विकसित करना।

उद्देश्य

* समावेशी एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करना।
* हितधारकों में समाज के प्रति जिम्मेदार होने की भावना विकसित करना।
* कौशल विकास प्रशिक्षणों को बढ़ावा देना।
* जनसमुदाय को स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों पर जागरूक करना।
* मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को सुधारना तथा कुपोषण को समाप्त करना।
* पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन करना।
* ग्रामीण महिलाओं को आजीविका के साधनों से जोड़ कर आत्मनिर्भर बनाना।
* बेहतर पोषण और टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देना।
* राष्ट्रीय स्मारकों और विरासतों की साफ-सफाई एवं देख-रेख।
* लैंगिक समानता हेतु महिलाओं एवं किशोरियों को जागरूक एवं सशक्त करना।
* सार्वजनिक और निजी सामाजिक संस्थाओं के साथ सहयोग करके सामुदायिक संपर्क की गतिविधियों को मजबूत करना।
* मलिन बस्तियों में स्वच्छता कार्यक्रम एवं अभियान का आयोजन करना।

सिद्धांत :

यूएसआर कुछ महत्वपूर्ण मार्गदर्शक सिद्धांतों यथा- प्रभाव, साझेदारी, सकारात्मक पहल, स्वयंसेवा, संचार और नवाचारों पर आधारित है।

फोकस क्षेत्र :

यूएसआर पांच प्रमुख क्षेत्रों - शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वावलम्बन, सुरक्षा और संस्कार पर ध्यान केंद्रित करेगा। इसके अलावा यह खेल, आपदा राहत और पर्यावरण आदि के क्षेत्रों में भी योगदान देगा, जिसका उद्देश्य समुदायों के जीवन की गुणवत्ता में विकास करना है।

हितधारक :

हितधारक, "कोई भी व्यक्ति या समूह है जो संगठनों के कार्यों, निर्णयों, नीतियों, प्रथाओं या लक्ष्यों को प्रभावित करते हैं या उनसे प्रभावित होते हैं। हितधारक को 'हित समूह' के रूप में भी चिन्हित किया गया है। उच्च शिक्षा संस्थान या विश्वविद्यालय अपने विभिन्न हितधारकों जैसे- छात्रों, संकाय सदस्यों, प्रशासनिक कर्मचारियों, संभावित छात्रों, पूर्व छात्रों, अभिभावकों, उद्यमियों, मान्यता प्राप्त या वैधानिक निकायों, स्थानीय समुदाय, आम जनता, मीडिया, सरकार, उद्यमियों एवं आपूर्तिकर्ताओं को भी प्रभावित करते हैं या उनसे प्रभावित होते हैं। प्रभावी ढंग से कार्य करने और समाज पर सकारात्मक प्रभाव उत्पन्न करने के लिए अपने हितधारकों की अपेक्षाओं के अनुरूप कार्य करना विश्वविद्यालय की प्राथमिकता है।

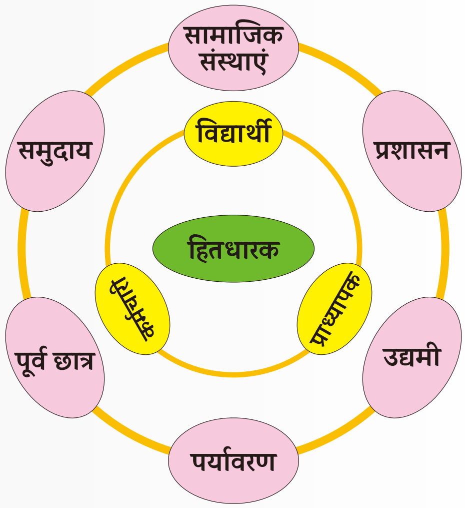

विश्वविद्यालय सामाजिक उत्तरदायित्व केन्द्र के कार्यक्रम एवं पहल

यूएसआर के हितधारक	यूएसआर कार्यक्रम एवं पहल
विद्यार्थी एवं पूर्व छात्र	* कौशल विकास केंद्रों की स्थापना। * विभिन्न रोजगार परीक्षाओं हेतु विद्यार्थियों को कोचिंग देना। * विद्यार्थियों हेतु स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन। * स्वदेशी खेलों का संरक्षण एवं संवर्धन। * सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन। * उद्यमियों का निर्माण। * सामाजिक समस्याओं की आवश्यकताओं की पहचान एवं अनुसंधान कार्य। * पूर्व छात्रों की योग्यता और उनके अनुभवों का लाभ विश्वविद्यालय के हित में सुनिश्चित करना। * पूर्व छात्रों को विश्वविद्यालय में संचालित वर्तमान शैक्षणिक व सामाजिक गतिविधियों से जोड़ना।
प्राध्यापक एवं कर्मचारी	* स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन तथा स्वास्थ्य केन्द्रों का निर्माण। * रक्तदान शिविरों का आयोजन। * क्षय रोगियों की पहचान कर उनके उपचार हेतु सहयोग प्रदान करना। * खेल क्लब का निर्माण। * कल्याण प्रकोष्ठ का निर्माण। * योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा शिविरों का आयोजन। * परिवार पुस्तकालय की स्थापना। * वार्षिक रोजगार मेले का आयोजन। * कर्मचारी कल्याण केन्द्र जिसमें कर्मचारियों के परिवार के सदस्यों को व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन । * प्राध्यापकों हेतु वार्षिक रिट्रीट कार्यक्रम का आयोजन।

सामान्य जनसमुदाय	* स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन। * जरूरतमंद मरीजों को वित्तीय सहायता प्रदान करना। * शिशु एवं मातृ मृत्यु दर में कमी हेतु सामान्य जनसमुदाय को जागरूक करना। * संक्रामक बीमारियों जैसे कि मेलेरिया, टी.बी. और HIV/AIDS की रोकथाम और उपचार हेतु अभियान चलाना। * रोगी के पुनर्वास हेतु प्रयास करना। * किशोर और प्रजनन स्वास्थ्य संबंधित मुद्दों पर काम करना। * विभिन्न स्वास्थ्य मुद्दों के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना। * स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों जैसे - रक्त अल्पता, कुपोषण, प्रसव के दौरान या पश्चात मातृ एवं शिशु मृत्यु समस्याओं पर अनुसंधान कार्य करना। * स्वच्छ पेयजल और स्वच्छता के लिए पहल करना। * स्वयं सहायता समूहों का निर्माण एवं उद्यमिता हेतु प्रोत्साहित करना। * विकलांग व्यक्तियों को आत्म-निर्भरता और सम्मान का जीवन जीने में सहायता करना। * कृषि और अन्य संबद्ध क्षेत्रों के उन्नत तरीकों पर किसानों की क्षमता का निर्माण। * जल संचयन संरचनाओं और सिंचाई सुविधाओं के प्रति समुदाय को जागरूक करना। * खेत और वन आधारित उपज के लिए बाजार और विपणन संबंध बनाना। * स्थानीय स्तर पर प्राकृतिक आपदाओं के दौरान राहत उपायों का विस्तार करना। * आपदाओं के बाद पुनर्वास उपाय करना और उनका समर्थन करना।
सामाजिक संस्थाएं	* स्थानीय स्तर की संस्थाओं की नेटवर्किंग करना। * विशेषज्ञता के आधार पर उन जैसी क्षेत्रीय सामाजिक, संस्थाओं हेतु अभिमुखीकरण कार्यक्रमों का आयोजन करना। * स्वयं सेवी संस्थाओं को सामाजिक गतिविधियों हेतु प्रोत्साहित करना। * संस्थाओं द्वारा दी जाने वाली सेवाओं को आम जन तक पहुंचाने में मदद करना।
पर्यावरण	* वृक्षारोपण और वनीकरण संबंधी गतिविधियाँ करना। * हरित ऊर्जा के स्रोतों को बढ़ावा देना। * जल संरक्षण को बढ़ावा देना। * जैव विविधता का संरक्षण करना और जैव विविधता से संबंधित मुद्दों पर अनुसंधान, जागरूक करना। * पर्यावरण संबंधी मुद्दों के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना।
स्थानीय प्रशासन	* सामाजिक मुद्दे पर सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में सहयोग प्रदान करना।
उद्योग एवं उद्यमी	* विभिन्न क्षेत्रों के उद्यमियों से MoU कर विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को उद्योग परक प्रशिक्षण प्रदान कराना। * ग्रामीण महिलाओं को उद्योगों के साथ जोड़कर उनके उत्पादन के विपणन हेतु सहयोग प्रदान करना। * कुटीर उद्योगों से जुड़े ग्रामीण उद्यमियों को नई तकनीकों से अवगत कराना एवं प्रशिक्षण में सहयोग प्रदान करना। * कृषि से जुड़े उद्यमियों को विश्वविद्यालय द्वारा किये गये कृषि के क्षेत्र में नवीनतम खोजों एवं तकनीकियों से अवगत कराना। * उद्यमियों की अवश्यकतानुसार उत्तरदायित्व केन्द्र द्वारा उद्योगपरक पाठ्यक्रमों का संचालन करना।

विश्वविद्यालय सामाजिक उत्तरदायित्व केन्द्र का संगठनात्मक ढाँचा

संरक्षक

माननीय कुलपति महोदय

जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया

सलाहकार समिति

* मुख्य विकास अधिकारी (सी.डी.ओ. बलिया)
* मुख्य चिकित्साधिकारी (सी.एम.ओ. बलिया)
* समाज कल्याण अधिकारी, बलिया * जिला वनाधिकारी, बलिया
* जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी, बलिया * विश्वविद्यालय परिसर के दो नामित प्राध्यापक
* महाविद्यालय के दो नामित प्राध्यापक * गैर सरकारी संगठन के दो व्यक्ति

कार्यकारी निकाय

अध्यक्ष, समाज कार्य विभाग

उपाध्यक्ष, समाजशास्त्र विभाग

सचिव

माननीय कुलपति द्वारा नामित

सदस्य

समाज कार्य विभाग के सभी प्राध्यापक

समाजशास्त्र विभाग के सभी प्राध्यापक

विश्वविद्यालय में अध्ययनरत एवं पुरातन छात्र